जी डी गोइन्का पब्लिक स्कूल

कक्षा : नौवीं विषय:हिंदी पाठ:11

(नोट: यह कार्य केवल पठन के लिए है। इसे प्रिंट न करें।)

आदमी नामा

प्रश्न: निम्नलिखित में अभिव्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए -

1 - पढ़ते हैं आदमी ही कुरआन और नमाज यां और आदमी ही उनकी चुराते हैं जूतियाँ जो उनको ताड़ता है सो है वो भी आदमी

उत्तर - पाप करने वाला भी आदमी है और पुण्य करने वाला भी आदमी है। कुछ लोग भक्तिभाव में इतने लिप्त होते हैं कि मस्जिद में इबादत करने जाते हैं या मंदिर में पूजा करने जाते हैं। कुछ लोगों को उनकी भक्ति से कोई लेना देना नहीं होता बल्कि वे मंदिर या मस्जिद के बाहर से जूते चुराने के काम में लगे रहते हैं। जहाँ एक तरफ धर्म की रोशनी होती है वहीं उसकी ओट में पाप भी पलता रहता है। कहने का तात्पर्य यह है कि नमाज़ और कुरान को बनाने वाले भी आदमी ही हैं और उस मस्जिद में नमाज पढ़ने और पढ़वाने वाले भी आदमी ही हैं। मस्जिद के बाहर से जूते चुराने वाला भी आदमी है और उसपर नजर रखने वाला भी आदमी है।

2 - पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी|

उत्तर - किसी की इज्जत लेने वाला भी आदमी है। किसी को मदद के लिए पुकारने वाला भी आदमी है और उसकी पुकार पर दौड़कर आनेवाला भी आदमी है। इसी दुनिया में कुछ ऐसे लोग मिल जाएँगे जो दूसरे की इज्जत उतारने में लगे रहते हैं, तो कुछ ऐसे लोग भी मिल जाएँगे जो किसी की मान मर्यादा रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते। कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि यदि आदमी किसी को मुसीबत में डालने वाला है तो उस मुसीबत में पड़े हुए आदमी को बचाने वाला भी कोई आदमी ही होता है।

------XXX------